Dr. Rajneesh Kumar, Ishwar Deen and Vinay Sheel (April 2023). Effect of MGNREGA on the socio-economic conditions of women of Kaushambi district
***International Journal of Economic Perspectives*,*17*(04) 36-49**
Retrieved from https://ijeponline.com/index.php/journal

जनपद कौशाम्बी की महिलाओं के सामाजिक – आर्थिक स्थिति पर मनरेगा का प्रभाव

डॉ. रजनीश कुमार, ईश्वर दीन, विनय शील

भूमिका

प्राचीन समय से भारतीय महिलाओं को सामाजिक एवं आर्थिक स्तर पर जो स्थान मिलना चाहिए था, वह आज तक नहीं मिल पाया है। पुरुष प्रधान समाज अपनी संकीर्ण मानसिक सोंच को अभी तक नहीं बदल पाया है। महिलाएं जो कि हमारे समाज की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं, पर उनके पास अपना कुछ भी नहीं है। जन्म से लेकर मृत्यु तक महिलाएं पुरूषों पर निर्भर रहती हैं। बचपन में पिता पर, जवानी में पति पर और बुढापें में पुत्र पर, उनकी अपनी अलग से कोई पहचान नहीं है, क्योंकि भारतीय समाज में उनको पुरुषों के समान न तो आर्थिक अधिकार दिया गया और न ही सामाजिक अधिकार।

सर्वप्रथम स्वतंत्र भारत में महिलाओं के हक की बात करने वाले महापुरूष का नाम है– भीमराव रामजी अम्बेडकर जिनके पुरजोर प्रयास से स्वतंत्र भारत में पहलीबार "हिन्दू कोड बिल" लाया गया। पर हमेशा की तरह दुर्भाग्य की बात है कि तात्कालिक बुद्धि जीवियों ने इसे बहुमत से खारिज कर दिया। इस प्रकार एक दीपक जिसकी रोशनी में महिलओं को सम्मान पूर्वक जीने का स्थान मिल पाता उसको पुरूष प्रधान मानसिकता ने जलने से पहले ही बुझा दिया। वर्तमान समय में सरकारें आती है और महिलाओं की स्थिति सुधारने की बात भी करती है, इस प्रयास में उनको कुछ हद तक सफलता भी मिली है,पर यह सफलता महिलाओं के अधिकार एवं उनके सर्वांगीर्ण विकास के लिए काफी नहीं है। उनको पुरुषों के समान बराबरी का अधिकार मिलना चाहिए।

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: **Dr. Rajneesh Kumar, Ishwar Deen and Vinay Sheel**
Submitted: 27JFeb 2023, Revised: 09 March 2023, Accepted: 18 March 2023, Published: April 2023

किसी कवि की महिलाओं की स्थिति पर कुछ पंक्तियां याद आती है।

"मेरी माताओं, मेरी बहनों

क्यों लाचार हो तुम

जुल्म सहने के लिए

आज क्यों तैयार हो तुम

बचपन में पिता, जवानी में पति को सहा

बुढ़ापें पर भी पुत्र का शासन है रहा

तुम न बदली तो ये शैतान सतायेंगे तुम्हे

वक्त के साथ जरा खुद को बदल कर देखो

मेरी माताओं, मेरी बहनों ....."

अध्ययन क्षेत्र

जनपद कौशाम्बी प्राचीन समय में उत्तर भारत के 16 महाजनपदों में से एक महा जनपद वत्स की राजधानी था। इस जनपद का अपना सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं धार्मिक इतिहास रहा है। वर्तमान समय में जनपद कौशाम्बी उत्तर प्रदेश के दक्षिण पूरब भाग में स्थित है, जिसका सृजन 4 अप्रैल 1997 को इलाहाबाद जनपद के पश्चिमी भाग से अलग करके किया गया। इसे भौगोलिक रूप से निचले गंगा यमुना दोआब के रूप में जाना जाता है। जनपद का अक्षांशीय विस्तार 25°158 से 25° 5155" उत्तरी अक्षांश के मध्य तथा देशान्तरीय विस्तार 81°175 से 81° 495 पूर्वी देशान्तर के मध्य है। जनपद कौशाम्बी के उत्तर दिशा में जनपद प्रतापगढ़ अवस्थित है, पूर्वी एवं दक्षिण पूर्वी दिशा में जनपद इलाहाबाद अवस्थिति है, दक्षिणीदिशा

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: **Dr. Rajneesh Kumar, Ishwar Deen and Vinay Sheel**
Submitted: 27JFeb 2023, Revised: 09 March 2023, Accepted: 18 March 2023, Published: April 2023

में जनपद चित्रकूट अवस्थित है एवं पश्चिम दिशा में जनपद फतेहपुर अवस्थित है। जनपद कौशाम्बी आकार में लगभग त्रिभुजाकार है तथा जनपद का कुल क्षेत्रफल 1780 वर्ग किलोमीटर है, जिसके 1749 वर्ग किलोमीटर पर ग्रामीण तथा 30.67 वर्ग किलोमीटर पर नगरीय क्षेत्र का विस्तार है।

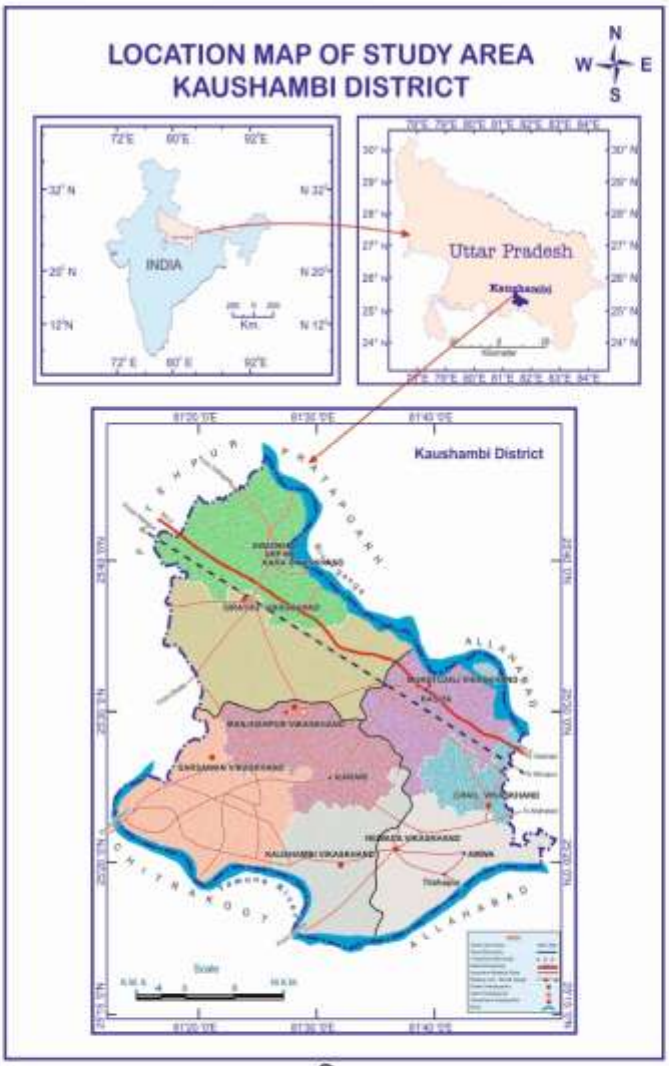

मानचित्र 1

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: **Dr. Rajneesh Kumar, Ishwar Deen and Vinay Sheel**
Submitted: 27JFeb 2023, Revised: 09 March 2023, Accepted: 18 March 2023, Published: April 2023

उद्देश्य :–

1. जनपद कौशाम्बी की महिलाओं के सामाजिक–आर्थिक स्थिति का आकलन करना।
2. जनपद कौशाम्बी में महिलाओं की साक्षरता का अध्ययन करना।
3. जनपद कौशाम्बी के विकास कार्यों में महिलाओं के योगदान का आकलन करना।
4. जनपद कौशाम्बी की महिलाओं के स्वास्थ्य का आकलन करना।
5. महिलाओं को प्राप्त वास्तविक अधिकारों का अध्ययन करना।
6. महिला एवं बाल विकास के लिए सर्वोत्तम योजना तैयार करना।
7. महिलाओं के जीवन पर मनरेगा के प्रभाव का आकलन करना।
8. जनपद कौशाम्बी के सभी विकास खण्डों में महिलाओं की स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

विधि–तंत्र :–

जनपद कौशाम्बी की महिलाओं के सामाकि–आर्थिक जीवन पर मनरेगा के प्रभाव का आकलन करने के लिए इस शोध पत्र में प्राथमिक एवं द्वितीयक आकडों का प्रयोग किया गया हैं भूगोल में सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए अपनायी गयी विधियों के माध्यम से निष्कर्ष को निकाला गया है।

1. प्राथमिक आकड़ों के स्रोत
    I. प्रश्नावली विधि द्वारा
    II. स्वयं के अवलोकन द्वारा
    III. साक्षात्कार के माध्यम से
2. द्वितीयक आकड़ों के स्रोत
    I. जिला सांख्यिकी पत्रिका
    II. मनरेगा रिपोर्ट 2013–14

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: **Dr. Rajneesh Kumar, Ishwar Deen and Vinay Sheel**
Submitted: 27JFeb 2023, Revised: 09 March 2023, Accepted: 18 March 2023, Published: April 2023

III. खाद्य एवं रसद विभाग उत्तर प्रदेश आदि।

प्रशासनिक संरचना

तालिका 1 : जनपद कौशाम्बी प्रशासनिक संरचना

क्र सं0	तहसील	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायतों की संख्या	विधान सभा क्षेत्र
1	सिराथू	कड़ा	57	सिराथू (251)
		सिराथू	79	
2	मंझनपुर	सरसवां	53	मंझनपुर (252)
		मंझनपुर	53	
		कौशाम्बी	53	
3	चायल	मूरतगंज	25	चायल (253)
		नेवादा	63	
कुल संख्या	3	8	440	3

स्रोत– जिला सांख्यिकी पत्रिका जनपद कौशाम्बी 2015।

उपरोक्त तालिका संख्याएक के अध्ययन से ज्ञात होता है, कि जनपद कौशाम्बी 3 विधानसभा क्षेत्रों क्रमशः सिराथू (251), मंझनपुर (252), चायल (253), तथा 3 तहसीलो क्रमशः सिराथू, मंझलनपुर व चायल एवं 8 विकासखण्डों क्रमशः कड़ा, सिराथू, सरसवां, मंझनपुर, कौशाम्बी, मूरतगंज, चायल व नेवादा तथा 440 ग्राम पंचायतों में विभाजित है। जनपद कौशाम्बी का मुख्यालय मंझनपुर में अवस्थित है जो कि सभी विकासखण्डों के लगभग मध्य में अवस्थित है। छोटा जिला होने के कारण इसकी प्रशासनिक व्यवस्था काफी अच्छी है।

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: **Dr. Rajneesh Kumar, Ishwar Deen and Vinay Sheel**
Submitted: 27JFeb 2023, Revised: 09 March 2023, Accepted: 18 March 2023, Published: April 2023

तलिका 2 : इलाहाबाद मण्डल में जनपद कौशाम्बी की जनसंख्या, लिंगानुपात एवं जनघनत्व की स्थिति–

क्र सं0	जिले का नाम	जनसख्या 2015			लिंगानुपात		जनघनत्व	
		कुल लोग	पुरूष	महिलाएं	2001	2011	2001	2011
1	फतेहपुर	26,32,733	13,84,722	12,48,011	893	901	556	634
2	प्रतापगढ़	32,09,141	,16,06,085	16,03,056	1004	998	735	863
3	कौशाम्बी	15,99,596	8,38,485	7,61,111	895	908	704	899
4	इलाहाबाद	59,54,391	31,31,807	28,22,584	879	901	910	1086

स्रोत– जिला सांख्यिकी पत्रिका जनपद कौशाम्बी 2015।

उपरोक्त तालिका संख्या दो के अवलोकन से ज्ञात होता है, कि कुल जनसंख्या में जनपद कौशाम्बी, इलाहाबाद मण्डल में अंतिम स्थान पर है, वही क्रमशः पुरूष एवं महिला जनसख्या में भी अंतिम स्थान पर है, जनसख्या कम होने के प्रमुख कारणों में इसका छोटा आकार साक्षरता में वृद्धि, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाये एवं जन जागरूकता अभियान आदि का सम्मिलित योगदान है। यदि लिंगानुपात एवं जन घनत्व की बात की जाय तो जनपद कौशाम्बी, इलाहाबाद मंडल में दोनों में ही द्वितीय स्थान पर है।

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: **Dr. Rajneesh Kumar, Ishwar Deen and Vinay Sheel**
Submitted: 27JFeb 2023, Revised: 09 March 2023, Accepted: 18 March 2023, Published: April 2023

तालिका 3 : जनपद कौशाम्बी में महिला साक्षरता 2001 व 2011 का तुलनात्मक अध्ययन।

क सं0	विकास खण्ड का नाम	साक्षरता प्रतिशत 2001		साक्षरता प्रतिशत 2011	
		कुल साक्षरता %	महिला साक्षरता प्रतिशत	कुल साक्षरता %	महिला साक्षरता प्रतिशत
1	कड़ा	45.55	29.63	61.00	49.56
2	सिराथू	44.09	26.74	61.47	48.74
3	सरसवां	48.66	31.64	59.70	46.87
4	मंझनपुर	42.22	24.26	57.28	44.55
5	कौशाम्बी	47.26	28.73	60.10	46.22
6	मूरतगंज	42.06	25.27	59.63	46.66
7	चायल	50.53	32.06	61.50	46.41
8	नेवादा	48.75	29.83	63.04	48.33
कुल योग	8	46.14	28.52	60.46	47.16

स्रोत– जिला सांख्यिकी पत्रिका जनपद कौशाम्बी 2015।

उपरोक्त तालिका संख्या तीन के अवलोकन से ज्ञात होता है कि 2011 में जनपद की कुल साक्षरता 46.14 थी जिसमें से महिलाओं की भागेदारी मात्र 28.51 प्रतिशत ही थी। यद्यपि जनपद कौशाम्बी के विकासखण्ड नेवादा में महिलाओं की शैक्षिक स्थिति सबसे अच्छी थी जोकि 32.06 प्रतिशत थी। इस प्रकार ज्ञात होता है कि 2001 तक जनपद कौशाम्बी में महिलाओं की साक्षरता काफी कम थी क्योंकि सर्वाधिक साक्षरता वाले विकासखण्ड चायल की महिलाएं भी बहुत कम मात्र 32.06 प्रतिशत ही साक्षर थी।

जनपद कौशाम्बी में महिलाओं की साक्षरता में 2001 की तुलना में 2011 में काफी वृद्धि देखने को मिली है। 2001 में महिलाओं की साक्षरता मात्र 28.52 प्रतिशत जोकि 2011 में बढ़कर 47.16 हो गयी। इस प्रकार 2001 की अपेक्षा 2011 में 18.64

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
Corresponding author: **Dr. Rajneesh Kumar, Ishwar Deen and Vinay Sheel**
Submitted: 27JFeb 2023, Revised: 09 March 2023, Accepted: 18 March 2023, Published: April 2023

Dr. Rajneesh Kumar, Ishwar Deen and Vinay Sheel (April 2023). Effect of MGNREGA on the socio-economic conditions of women of Kaushambi district
***International Journal of Economic Perspectives*,*17*(04) 36-49**
Retrieved from https://ijeponline.com/index.php/journal

प्रतिश्वात की वृद्धि हुई है। जनपद कौशाम्बी की महिला साक्षरता पर 2001 की तुलना 2011 में वृद्धि का प्रमुख कारण सरकार द्वारा महिलाओं की साक्षरता एवं उनकी भागेदारी में विकास के लिए चलाई जा रही अनेको योजनाएं हैं।

आरेख 1 : जनपद कौशाम्बी में महिला साक्षरता 2011 से 2011 का तुलनात्मक अध्ययन

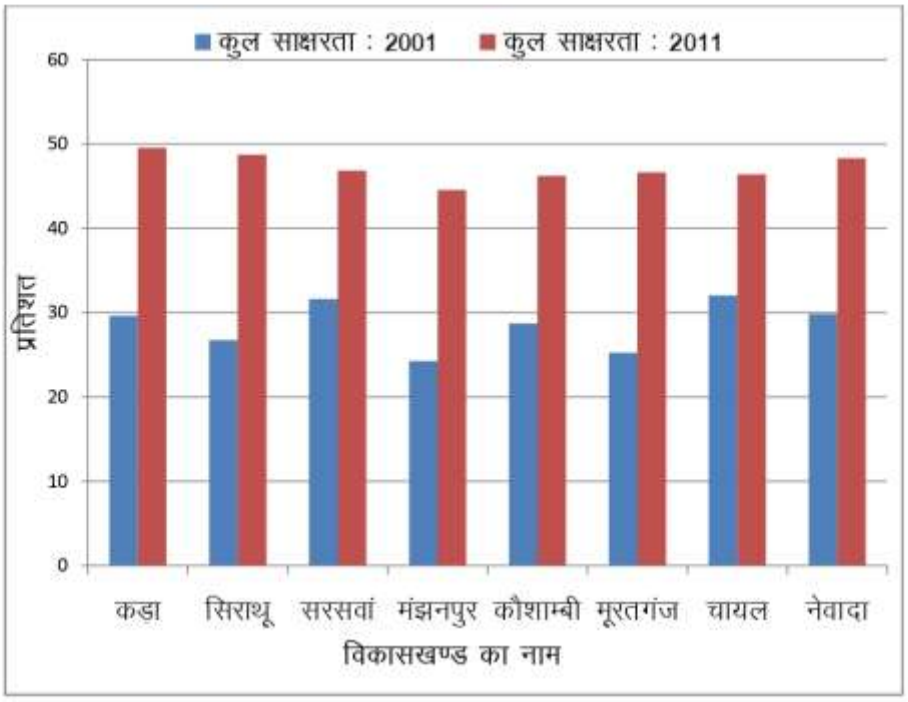

स्रोत– जिला सांख्यिकी पत्रिका जनपद कौशाम्बी 2015।

मनरेगासे महिलाओं की स्थिति में सुधार

मनरेगा के आने से महिलाओं की सामाजिक–आर्थिक स्थिति में बहुत अधिकसुधार देखने की मिला है। मनरेगा के आने से महिला एवं पुरूष दोनों की दैनिक मजदूरी में समानता आयी है। मनरेगा से पूर्व महिला एवं पुरूष दोनों की मजदूरी में 20–25 रूपये का अंतर रहता था। मनरेगा के आने से मजदूरी की दर सुनिश्चित हो

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
Corresponding author: **Dr. Rajneesh Kumar, Ishwar Deen and Vinay Sheel**
Submitted: 27JFeb 2023, Revised: 09 March 2023, Accepted: 18 March 2023, Published: April 2023

गयी अब महिलाएं भी मनरेगा के आने से पुरुषों के समान दैनिक मजदूरी पाती है। मनरेगा ने महिलाओं की आर्थिक स्थिति को सुधार दिया है।

जनपद कौशाम्बी की महिलाओं के सामाजिक–आर्थिक स्थिति पर मनरेगा के प्रभाव का व्यवहारिक आंकलन करने के लिए जनपद की कुल 440 ग्राम पंचायतों में से 24 ग्राम पंचायतों का चयन किया गया है, इन चुनी हुई 24 ग्राम पंचायतों में से 720 परिवारों का प्रश्नावली विधि द्वारा सर्वेक्षण किया गया है। प्राथमिक सर्वेक्षण के दौरान व्यक्तियों से पूँछने पर पता चला कि वर्तमान में शिक्षा का विशेष महत्व है।

लगभग 75 प्रतिशत परिवारों ने माना कि सर्वांगीण विकास के लिए महिलाओं का शिक्षित होना अति आवश्यक है। आज के बदलते युग में जब महिलाएं हर क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं इससे प्रेरित होकर जनपद के लोग अपनी बेटियों को उच्च शिक्षा दिलाने में रूचि रखते हैं। सर्वेक्षण के दौरान पता चला कि अब लगभग हर 18वें परिवार से एक लड़की इलाहाबाद में पड़ने के लिए गयी है। प्राथमिक सर्वेक्षण के दौरान यह भी पता चला कि अब लोगों में महिलाओं के प्रति नजरिया बदलने लगा है। महिलाओं को अब घर की चार दीवारी तक सीमित नहीं रखा जाता है।

कुल 720 परिवारों में से लगभग 85 प्रतिशत का मानना था कि अब शादी के लिए भी लोग पढ़ी–लिखी लड़की ज्यादा पसंद करते हैं, इसलिए भी लड़कियों के स्कूल जाने का प्रतिशत लगभग लड़कों समान ही है। सर्वेक्षित परिवारों की बुजुर्ग महिलाओं से बात करके पता चला कि जिस जमाने में उनकी शादी हुई थी उस समय आज की तुलना में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार साधनों का बहुत ही अभाव था। उस समय मुख्यतः कृषि कार्य किया जाता था जिसमें महिलाएँ भी अपना योगदान दिया करती थी।

सर्वेक्षण के दौरान लगभग 80 प्रतिशत परिवारों का मानना था कि संचार क्रांति की वर्तमान दुनिया में सभी का शिक्षित होना अति आवश्यक है। सर्वेक्षण में ज्यादातर उत्तरदाता अशिक्षित थे पर वे भी शिक्षा एवं महिलाओं के विकास के महत्व को बखूबी समझ रहे थे। अनपढ़ महिलाएं भी अपनी बेटियों–बेटों के समान अवसर देने की पक्षधर थी। कुल 720 परिवारों में से 246 उत्तरदाता महिलाएं थीं। इन सभी ने मनरेगा को

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: **Dr. Rajneesh Kumar, Ishwar Deen and Vinay Sheel**
Submitted: 27JFeb 2023, Revised: 09 March 2023, Accepted: 18 March 2023, Published: April 2023

महिलाओं की सामाजिक–आर्थिक स्थिति में सुधार का प्रमुख कारण माना।

जनपद कौशाम्बी की ग्रामीण महिलाएं जो अकुशल कार्य करने के लिए तैया हैं, उनके सामाजिक–आर्थिक स्थिति पर मनरेगा का सकारात्मक प्रभाव सर्वेक्षण के दौरान साफ देखने के मिला। जनपद कौशाम्बी की महिलाएं अब आर्थिक रूप से मजबूत हो रही हैं और अपनी जरूरत की वस्तुओं की खरीददारी स्वयं के पैसों से करने लगी हैं। इन वस्तुओं में कपड़े, बच्चों के खिलौने, पढ़ाई–लिखाई का सामान, सौंदर्य प्रसाधन एवं घर की रसोई का सामान आदि की खरीददारी प्रायः अपने पैसों से ही करती हैं।

मनरेगा ने महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यवसाय, आर्थिक स्थिति एवं सामाजिक स्थिति को मजबूती प्रदान की है।

इस प्रकार मनरेगा ने जनपद कौशाम्बी की महिलाओं के सामाजिक–आर्थिक स्थिति में काफी सुधार किया है। प्राथमिक सर्वेक्षण से प्राप्त उत्तरों के द्वारा यह कथन सत्यापित होता है।

महिलाओं की सामाजिक–आर्थिक स्थिति पर मनरेगा के प्रभाव को निर्धारित करने के लिए लीनियर मॉडल के आधार पर 6 चरो को लेकर उनका Z स्कोर (Score) परिगणित किया गया है। विकासखण्डवार चयनित ग्राम पंचायतों का परिगणित Z स्कोर (Score) का योग कर कुल Z स्कोर (Score) के आधार पर महिलाओं के सामाजिक–आर्थिक स्थिति पर मनरेगा के प्रभाव का पदानुक्रम निर्धारित किया गया है। Z स्कोर (Score) ज्ञात करने के लिए निम्न सूत्र का प्रयोग किया गया है।

$$Z\,\text{score} = \frac{x - \text{mean}}{Sd}$$

$$\text{Mean} = \frac{\Sigma x}{N}$$

$$Sd = \sqrt{\frac{(x - \bar{x})^2}{N}}$$

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: **Dr. Rajneesh Kumar, Ishwar Deen and Vinay Sheel**
Submitted: 27JFeb 2023, Revised: 09 March 2023, Accepted: 18 March 2023, Published: April 2023

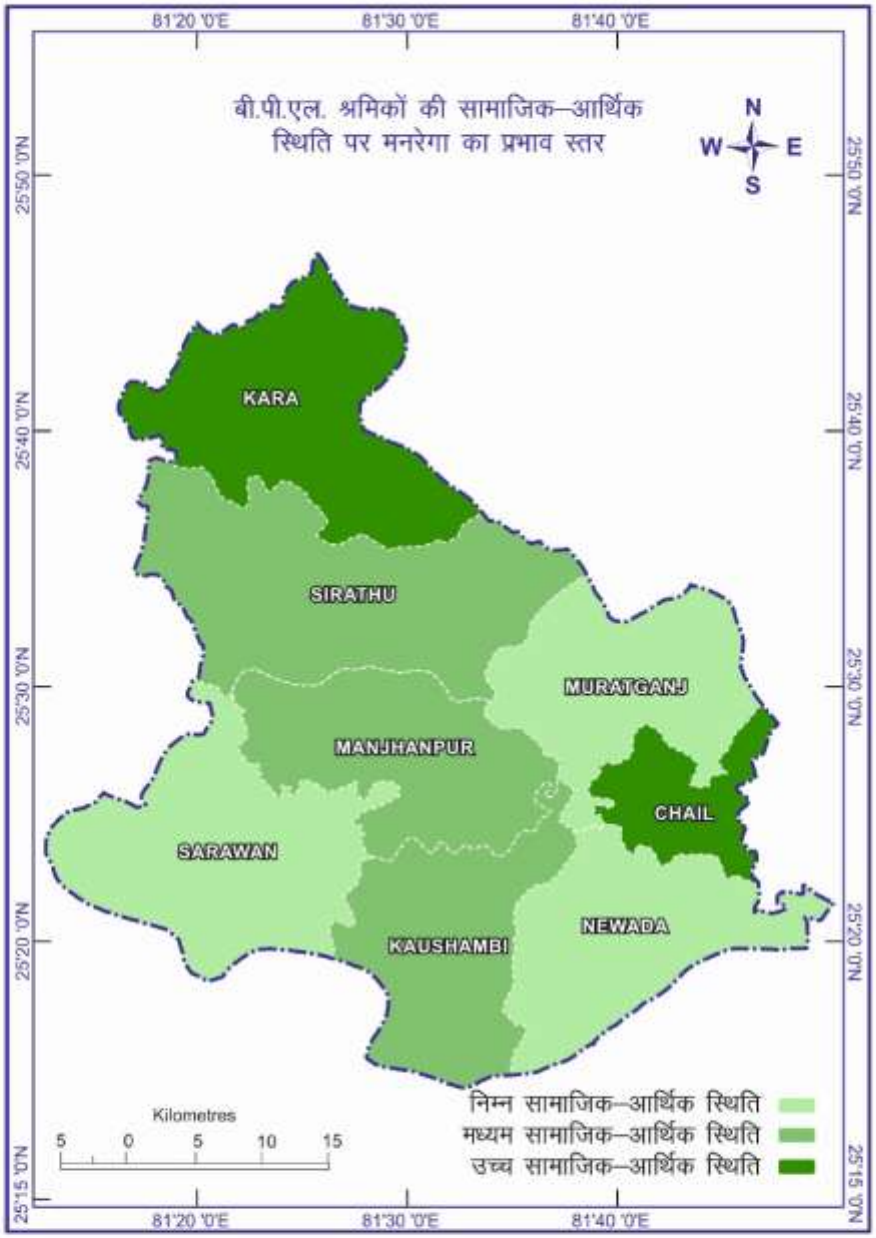

मानचित्र 2

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: **Dr. Rajneesh Kumar, Ishwar Deen and Vinay Sheel**
Submitted: 27JFeb 2023, Revised: 09 March 2023, Accepted: 18 March 2023, Published: April 2023

तालिका 3 : महिलाओं की सामाजिक–आर्थिक स्थिति पर मनरेगा का प्रभाव स्तर

क्र. सं.	विकासखण्ड का नाम	शिक्षा	स्वास्थ्य	व्यवसाय	सामाजिक	आर्थिक	अन्य	Total Z score
1	कड़ा	1.093	1.937	−1.498	3.655	−2.228	6.769	9.728
2	सिराथू	1.669	−1.262	2.286	2.382	1.874	−2.411	4.538
3	सरसवां	0.435	−0.162	0.597	−0.0306	0.489	−0.567	0.486
4	मंझनपुर	0.501	−0.962	−0.687	2.816	−0.563	3.363	4.468
5	कौशाम्बी	0.814	0.137	1.115	0.259	0.914	1.480	4.720
6	मूरतगंज	1.422	−0.662	1.948	−1.250	−1.597	2.318	2.179
7	चायल	0.945	1.137	1.295	2.146	1.061	3.974	10.561
8	नेवादा	0.024	−0.162	0.033	0.306	0.027	0.567	0.795

स्रोत– प्राथमिक आकड़ो के आधार पर शोधार्थी द्वारा परिकलित 2015।

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: **Dr. Rajneesh Kumar, Ishwar Deen and Vinay Sheel**
Submitted: 27JFeb 2023, Revised: 09 March 2023, Accepted: 18 March 2023, Published: April 2023

चरों के परिगणित Z स्कोर (Score) के आधार पर प्रत्येक चर की दृष्टि से जनपद कौशाम्बी के विकासखण्डवार महिलाओं की सामाजिक–आर्थिक स्थिति स्पष्ट देखी जा सकती है। इस प्रकार हम कह सकते है कि आधारभूत विकास वाले विकासखण्डों में महिलाओं की सामाजिक–आर्थिक स्थिति उच्च है, जबकि इसकी कमी वाले विकासखण्डों में सामाजिक–आर्थिक स्थिति निम्न है। विकासखण्डवार सम्पूर्ण चरों के Z स्कोर (Score) का सकल योग कर अध्ययन क्षेत्र जनपद कौशाम्बी के विकासखण्डों को तीन श्रेणियों मे वगीकृत किया जा सकता है– उच्च स्थिति, मध्यम स्थिति एवं निम्न स्थिति में वगीकृत किया गया है।

i- उच्च स्थिति (8 से 12)

इसके अंतर्गत जनपद कौशाम्बी के दो विकासखण्ड आते है जिसमें विकासखण्ड कडा (9.728) एवं विकासखण्ड चायल (10.561) है। इन विकासखण्डो मे महिलाओं की सामाजिक–आर्थिक स्थिति पर मनरेगा का सर्वाधिक सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलता है।

ii- मध्यम स्थिति (4 से 8)

इसके अंतर्गत जनपद कौशाम्बी के तीन विकासखण्ड आते है जिसमें विकासखण्ड सिराथू (4.538) विकासखण्ड मंझनपुर (4.468) एवं विकासखण्ड कौशाम्बी (4.720) को शामिल किया गया है। इन विकासखण्डो मे महिलाओं की सामाजिक–आर्थिक स्थिति पर मनरेगा का मध्यम प्रभाव देखने को मिलता है।

iii- निम्न स्थिति (0 से 4)

इसके अंतर्गत जनपद कौशाम्बी के तीन विकासखण्डों को शामिल किया गया है जिसमें विकासखण्ड सरसवां (0.480), विकासखण्ड मूरतगंज (2.179) एवं विकासखण्ड नेवादा (0.795) आते हैं। इन विकासखण्डो में महिलाओं की सामाजिक–आर्थिक स्थिति पर मनरेगा का निम्न प्रभाव देखने को मिलता है।

मनरेगा अधिनियम में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं की आर्थिक स्थिति को और अधिक मजबूत बनाने में काफी सहायक है। क्योंकि मनरेगा के तहत किए जाने वाले कार्यों में 33 प्रतिशत महिलाओं को स्थान दिया जाना अनिवार्य है, और ऐसा न होने की दशा मे कानूनी कार्यवाही की जायेगी। कार्यस्थल पर महिलाओं के छोटे बच्चों के खेलने एवं उनकी देख–रेख के लिए उचित व्यवस्था, स्वच्छ पीने का पानी, प्रथम उपचार

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: **Dr. Rajneesh Kumar, Ishwar Deen and Vinay Sheel**
Submitted: 27JFeb 2023, Revised: 09 March 2023, Accepted: 18 March 2023, Published: April 2023

सुविधा आदि व्यवस्था सुनिश्चित की जाती है, जो कि पहले किसी भी सरकारी योजना के अन्तर्गत चल रहे कार्यस्थल पर नहीं उपलब्ध थी।

मनरेगा ने महिलाओं की बैंको तक पहुंच सुनिश्चित की, अब महिलाओं को पहले की तरह बैंक आने–जाने व अपना काम करवाने में परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता है। महिलाओं के विकास में मनरेगा ने प्रमुख भूमिका निभाई है। महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुधरने के साथ सामाजिक स्थिति में भी सुधार आया है, पहले उनके पास अपने जरूरत की सामान खरीदने के लिए पैसे नहीं होते थे, वे अपनी जरूरतों के लिए पिता या पति पर निर्भर रहती थी, मनरेगा के आने से वे अपनी जरूरतों के साथ परिवार के दूसरे सदस्यों को भी सहायता करने सक्षम हो गयी हैं। इस प्रकार परिवार तथा समाज में उनको इज्जत व सम्मान के नजरिये से देखा जाने लगा है। मनरेगा ने महिलाओं के प्रति समाज का दृष्टिकोण पूर्णतः बदल दिया है, मनरेगा से पूर्व महिलाओं की दूसरो पर निर्भर थी पर मनरेगा के आने पर उनको पुरूषो के समान दैनिक मजदूरी मिलने लगी, महिलाये आत्म निर्भर होने लगी तथा जीवन के लिए आवश्यकमूलभूत वस्तुओं एवं सेवाओं तक उनकी पहुंच शुलभ हो गयी। ग्रामीण महिलाओं के सशाक्तीकरण को मूर्त रूप मनरेगा अधिनियम ने ही दिया है, पर दूसरी ओर मनरेगा भ्रष्टाचार का शिकार भी, अन्य योजनाओं की तरह हुआ है।

यदि मनरेगा के उद्देश्य की मूर्ति करनी है, तो इसमें प्रशासनिक स्तर एवं कियांवयन के स्तर पर ईमानदारी एवं नैतिक कर्तव्य का पालन किया जाना आवश्यक है, यदि ऐसा कर दिया जाय तो जनपद कौशाम्बी की महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक जीवन की स्थिति और भी मजबूत हो जायेगी।

Resume:- Impact of MGNREGA on Socio-economic condition of Womens : A case study of Kaushambi District Uttar Pradesh

Dr. Rajneesh Kumar, Ishwar Deen, Vinay Sheel
Assistant Professor
C.S.N.(PG) College, Hardoi
University Of Lucknow
Email. kumarrajneesh1819@gmail.com, jdrathour2@gmail.com, vinaysheel7680@gmail.com

संदर्भः–

1. मनरेगा रिपोर्ट 2014–15
2. जिला सांख्यिकी पत्रिका जनपद कौशाम्बी 2015
3. B.P.L. आंकड़े खाद्य एवं रसद विभाग उत्तर प्रदेश
4. महिला एवं बाल विकास मंत्रालय रिपोर्ट 2013–14

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: **Dr. Rajneesh Kumar, Ishwar Deen and Vinay Sheel**
Submitted: 27JFeb 2023, Revised: 09 March 2023, Accepted: 18 March 2023, Published: April 2023